भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1045
दिनांक 08 फरवरी, 2024

तेल अन्वेषण

†1045. श्री एंटो एन्टोनी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में व्यावसायिक रूप से तेल उत्खनन का कार्य शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार कोचीन हाई पर तेल अन्वेषण का कार्य पुन: शुरू करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार ने पिछले अन्वेषणों के परिणाम का कोई विस्तृत अध्ययन करवाया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) और (ख): भारत में 1970 के दशक के अंत तक प्राकृतिक गैस और तेल के संसाधनों का अन्वेषण करने तथा निकासी के लिए दो राष्ट्रीय कंपनियां अर्थात ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) शामिल थीं। बाद में घरेलु उत्पादन को बढ़ाने के लक्ष्य से और अन्वेषण प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए भी क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोल दिया गया था। भारत में कुल तलछटी बेसिनल क्षेत्र 33.6 लाख वर्ग किलोमीटर (एसकेएम) है जिसमें से लगभग 3.29 लाख एसकेएम का क्षेत्र सक्रिय अन्वेषण और उत्पादन संबंधी गतिविधियों के तहत आता है। भारत में 2पी (प्रमाणित और संभावित) का कुल मौजूद भंडार लगभग 11,252 मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य (एमएमटीओई) है और लगभग 2650 एमएमटीओई के संचयी उत्पादन के बाद शेष बचा हुआ 2पी भंडार 1100 एमएमटीओई है ।

(ग) और (घ): इस बेसिन में अन्वेषण कूपों के वेधन के बावजूद अभी तक कोई भी हाइड्रोकार्बन खोज केरल-कोंकण बेसिन में नहीं की गई है। केरल-कोंकण बेसिन के कोचीन हाई में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण गतिविधियों को जारी रखने के प्रयास में सरकार ने चरण-III खुला रकबा लाईसेंसिंग नीति (ओएएलपी) में मैसर्स ऑयल को एक अपतटीय ब्लॉक (केके-ओएसएचपी-2018/1) प्रदान किया है और हाल ही में समाप्त हुए ओएएलपी चरण-VIII में मैसर्स ओएनजीसी को दो अपतटीय ब्लॉक (केके-ओएसएचपी-2022/1 तथा केके-डीडब्ल्यूएचपी-2022/1) प्रदान किए हैं।

(ङ) और (च): वर्ष 1995-96 में केरल-कोंकण बेसिन में एक हाइड्रोकार्बन संसाधन पुनर्मूल्यांकन अध्ययन किया गया था। अध्ययन में मौजूद हाइड्रोकार्बन संसाधन का आंकलन 660 एमएमटीओई किया गया। बाद में वर्ष 2017 में एक और हाइड्रोकार्बन संसाधन पुनर्मूल्यांकन अध्ययन किया गया था जिसमें केरल-कोंकण बेसिन में कुल मौजूद हाइड्रोकार्बन 1245 एमएमटीओई दर्शाया गया था। ***